1023
16/2/13

खण्ड-2

बिहार विधान मंडल पुस्तकालय
शोध/संदर्भ ग्रंथ

संख्या-23 एवं 24

एकादश बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

दिनांक : 29 एवं 30 जून, 1995 ई०

वही के इम्पलाईज्ड डाइरेक्ट या इनडाइरेक्ट, उन्हीं का जो औद्योगिक प्रतिष्ठान है उसी में लाभ और हानि से जुड़े हुये हैं? आम आबादी बहुत काम है, मेरा भी मकसद है कि उसको भी इनकुलुड कर औद्योगिक नगर घोषित किया जाय। उपायुक्त का प्रस्ताव फिलहाल आया है उसकी समीक्षा चल रही और समीक्षा बाद सरकार निर्णय लेगी।

श्री मृगेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि वे समीक्षा में तत्परता करें जनहित के दृष्टिकोण से ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

बीज का वितरण

57. श्री प्रदीप कुमार बालमुचू : क्या मंत्री कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि प्रत्येक वर्ष गरीब किसानों को धान का बीज अनुदान के रूप में वितरण किया जाता है;

(2) क्या यह बात सही है कि इस वर्ष 1995 ई० में इस तरह का अबतक किसी धान के बीज का वितरण नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार धान के बीज का वितरण करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

श्री रामजीवन सिंह : 1. उत्तर स्वीकारात्मक है।

2. उत्तर अस्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि इस वर्ष भी खरीफ में समय पर राज्य के सभी जिलों में करीब

45000 क्वींटल प्रमाणित बीज 200 रु० प्रति क्वींटल अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया गया है, किसानों के बीच वितरित किया गया है।

3. खंड 1 के उत्तर में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है।

श्री प्रदीप कुमार बालमुचू : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि कब तक आपूर्त्ति करा देंगे।

श्री रामजीवन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने जवाब में बताया कि 45000 क्वींटल प्रमाणित बीज सभी जिलों एवं प्रखंडों में धान का बीज चला गया है। माननीय सदस्य का पूछने का एक कारण मुझे यह समझ में आता है कि पहले ट्राइब्ल बेल्ट में आदिवासी क्षेत्र में बीज अनाज के बदले एक्सचेंज सिस्टम के अंतर्गत दिया जाता था। बीज उनको दिया गया और जो भी अनाज उनसे उपलब्ध होता था ले लिया जाता था। महोदय इसमें हमने दो कठिनाई को देखा। पहला कठिनाई यह है कि जो एक्सचेंज के लिये किसान अनाज लाते ब्लौक थे स्तर पर सवारी से माथे पर और उससे ले जाना पड़ता था। दूसरी कठिनाई यह देखा कि जो एक्सचेंज में अनाज आता था उसका कोई हिसाब-किताब रहता नहीं था और खरीफ में दस बारह हजार क्वींटल हर फसल में नुकसान होता था, सरकार को करीब एक करोड़ रु० हर फसल में नुकसान होता था। इसलिये एक्सचेंज वाला सिस्टम बंद कर दिया गया। उसी जगह जो अनुदानित दर 200 है उसमें 100 रु० कम करके किसानों, आदिवासी के देंगे। इसमें सहुलियत होगी उनको भी इसलिये ऐसा किया गया है।

श्री प्रदीप कुमार बालमुचू : क्या महोदय, मंत्री महोदय यह बतलाने का कष्ट करेंगे कि कब से धान का बीज प्रखंडों में भेजा गया है। अभी बीजों का बंटवारा किसानों के बीच नहीं हुआ है। अभी खेती का समय है, अभी नहीं मिलेगा, तो कोई फायदा नहीं होगा।

श्री रामजीवन सिंह : महोदय, सभी जगह चला गया है। माननीय सदस्य किसी विशेष जगह के बारे में अथवा इनके यहाँ के बारे में कहें तो उसको दिखवा लूँगा और तुरंत भिजवा देंगे।

श्री अकलू राम महतो : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बतलाना चाहता हूँ कि संथालपरगना और छोटानागपुर में मानसून ब्रेक हो गया है, मैं इसकी सूचना भी मंत्री को देना चाहता हूँ कि अभी तक छोटानागपुर संथालपरगना के प्रखंडों में कही भी धान का बीज नहीं गया है। तो क्या एक सप्ताह के अंदर धान का बीज भिजवाने का निश्चित रूप से व्यवस्था मंत्री महोदय करेंगे?

श्री रामजीवन सिंह : निश्चित तौर से करेंगे। अगर कहीं नहीं गया होगा, मेरे पास सभी जगह की सूची है। अगर इनके यहाँ नहीं गया होगा, भिजवा देंगे। सभी जगह भिजवा देंगे और पहुँचा कि नहीं, इसकी जानकारी भी दे देंगे।

तारांकित प्रश्नोत्तर

पदाधिकारी का कार्रवाई

***'क' 773. श्री अकलू राम महतो** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतालने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि बोकारों बाजार समिति चास में 92 दूकान का भवन निर्माण हेतु दिनांक 24 फरवरी, 1005 को निविदा दी गयी है;

(2) क्या यह बात सही है कि निविदा 21 फरवरी को सिर्फ ''टाईम्स ऑफ इंडिया'' में निकला गया और विना कोई प्रतियोगिता के ही सिंगल टेन्डर डालने वाले को ही दिनांक 24 फरवरी, 1995 में ही टीका कार्य तय कर दिया गया;